पत्रिका

प्रयागराज में बालू और नमक से बनाते थे नकली उर्वरक, अधिकारियों ने बरामद की 210 बोरी नकली खाद

प्रयागराज: शासन के निर्देश पर प्रयागराज के जिला कृषि अधिकारी सुभाष मौर्या द्वारा उर्वरक की जांच की जा रही थी। शनिवार की दोपहर वो अपनी टीम के साथ वो कोरांव नारीबारी रोड पर जा रहे थे, तभी एक पिकप मालवाहन डीएपी लेकर जा रही थी। जिसे अधिकारियों ने रोका तो वह डीएपी संदिग्ध लगी। जिसपर उर्वरक ले जा रहे व्यक्ति से पूंछताछ की गई तो वह अधिकारियों को गोदाम पर ले गया। जहां पहुंचे अधिकारियों ने देखा कि आठ बोरी डीएपी, 21 बोरी पोटास और 15 बोरी जिंक तथा 130 बोरी जिप्सम रखी थी। जिसकी जांच पड़ताल की गई तो सब नकली था। मामले में अधिकारियों द्वारा आरोपी महेंद्र केसरवानी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई।

नमक और बालू से बनाई जा रही थी पोटास

प्रयागराज में अधिकारियों के छापेमारी के दौरान सैकड़ों बोरी नकली खाद बरामद किया। वहीं जांच पड़ताल के दौरान देखा गया कि आरोपी पोटास बनाने के लिए नमक और बालू का उपयोग करता था।

डीएपी की किल्लत का लाभ उठा रहे अवैध कारोबारी

वर्तमान समय में किसानों को डीएपी की सख्त जरूरत है। लेकिन डीएपी की किल्लत के कारण किसानों की गेहंू और आलू, सरसो जैसी प्रमुख फसलों की बुआई में देरी हो रही है। ऐसे में अवैध खाद का कारोबार करने वाले अवसर का लाभ उठा रहे हैं। प्रयागराज में कई बाजारों में उर्वरक दुकानों पर नकली माल बेंचा जा रहा है।

Source: https://www.patrika.com/allahabad-news/fake-fertilizers-were-made-from-sand-and-salt-in-prayagraj-8594972/